(Kerala).

Now, Shri Sanjay Seth: 'Demand to Regulate Coaching Institutes of Competitive Examinations Across the Country.'

Demand to regulate Coaching Institutes of Competitive Examinations across the country

श्री संजय सेठ (उत्तर प्रदेश) : सर, आज मैं सदन के सामने एक बड़ा गंभीर मुद्दा रखना चाहता हूँ। देश के अंदर सैकड़ों कोचिंग इंस्टिट्यूट्स चल रहे हैं। आपने भी हर शहर में देखा होगा कि सब जगह कोचिंग इंस्टिट्यूट्स हैं, जो विद्यार्थियों को, छात्रों को इंजीनियरिंग, मेडिकल और अन्य परीक्षाओं की तैयारी कराते हैं। लेकिन उनमें से कुछ इंस्टीट्यूट्स ऐसे हैं, जो केवल कमाई करने का धंधा बन गए हैं। इसी तरह का एक इंस्टिट्यूट FIITJEE था, जो एक बड़ा प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर था, लेकिन उसकी अपनी financial management की गड़बड़ी के कारण एक दिन उसने अपने सारे सेंटर्स बंद कर दिए, जिसकी वजह से जो छात्र थे, जो वहाँ पढ़ाई कर रहे थे, उन सब को बहुत नुकसान हुआ और बीच में उनकी पढ़ाई छूट गई। सर, उनके माता-पिता ने उसके अंदर अपना काफी रुपया लगा कर उन सबको वहाँ पर दाखिला दिलाया था, लेकिन FIITJEE के बंद हो जाने की वजह से अब उनको यह समझ में नहीं आ रहा है कि वे क्या करें। सोशल मीडिया पर भी FIITJEE के अभिभावकों की वीडियो आ रही है, जिसमें यह दिखाया गया है कि वे सभी लोग सेंटर्स के बाहर खड़े हैं और सेंटर्स पर ताले लगे हुए हैं। वे सब अब तनाव में हैं और उन छात्रों का पूरा साल बर्बाद हो रहा है। अभी कल ही राजस्थान की सरकार ने कोचिंग इंस्टिट्यूट्स के ऊपर अपनी विधानसभा में एक बिल भी पास किया है, जिसमें वह कोचिंग के ऊपर कुछ नियंत्रण बना रही है।

मैं सरकार से यह माँग करता हूँ कि FIITJEE और अन्य कोचिंग संस्थाओं की वित्तीय जाँच की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि छात्रों और अभिभावकों की फीस वापिस मिले; छात्रों की शिक्षा का नुकसान न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, जिससे वे अपनी परीक्षाओं की तैयारी जारी रख सकें; कोचिंग संस्थानों के लिए एक regulatory body बनाई जाए, ताकि इस तरह की धोखाधड़ी भविष्य में न हो। यह केवल एक संस्थान का संकट नहीं है, बल्कि यह हजारों परिवारों की मेहनत और सपनों के साथ किया गया धोखा है। सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Sanjay Seth: Shri Mission Ranjan Das (Assam), Shri Baburam Nishad (Uttar Pradesh), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Aditya Prasad (Jharkhand) and Shri Deepak Prakash (Jharkhand).

Shri Meda Raghunadha Reddy: 'Demand to Denotify the Existing Kasireddy Nayana Jyothi Kshetram Lands in Andhra Pradesh from Forest Department.'